श्रीविद्यारत्नसूत्राणि

श्रीगौडपादाचार्यकृतानि

1. अथ शाक्तमन्त्रागमा जिज्ञासा।
2. आत्मैवाखण्डाकारः।
3. चैतन्यस्वरूपा चिच्छक्तिः।
4. सैवेयमनामाख्या श्रीविद्या।
5. तत्त्वत्रयेण सा त्रिविधा।
6. कोणपत्रसमुच्चये चक्रम्।
7. सा शाम्भवी विद्या श्यामा तत्त्वत्रयाकृतिस्त्रिविधा जाता।
8. विद्यायाः पूर्वोत्तराभ्यामनेकविद्या जाताः।
9. ता विद्याः परिवारा इति।
10. श्यामायाः पूर्वस्मिन् स्थिताः।
11. याम्यदिशि स्थिताः सौभाग्यादयः स्वस्या उद्भवाः।
12. तथाऽधः स्थिताः पश्चिमदिशि।
13. शाम्भव्याः परिवारा उत्तरस्मिन्।
14. स्वयमूर्ध्वाऽकारेण।
15. अथ चिन्तामणिगृहस्थिता त्रिपुरसुन्दरी महाविद्याऽनुत्तरा।
16. भण्डासुरहननार्थमेकैवानेका।
17. तया मन्त्रा अनेकाश्च तथा यन्त्रतन्त्राणि।
18. विविधभक्तिर्विविधोपासनम्।
19. तस्मात्फलान्यनेकानि।
20. कगजदशारद्वयमन्वस्रान्तदलस्वरपत्रत्रिवृत्तभूबिम्बसंज्ञाकथितं श्रीसदनम्।
21. मणिगणनवावरणं तस्य।
22. स्वस्या जनित सौभाग्यायास्तदेतत्सदनम्।
23. स्वजत्वादेतत्पश्चिमादेः।
24. त्रयाणां त्रयाणामावरणान्येकम्।
25. अथ ठडतपत्रमनुस्वारधरणी शुद्धविद्यासदनम्।
26. तदेव तत्र वसुद्वययुक्तमनुस्वारं कुमारीसदनम्।
27. एतयोरावरणान्ताक्षरगणनं यलषहणदहपत्रधरणी द्वादशार्द्धासदनम्।
28. पमजकोणस्वरजपत्रगणना धरणी श्यामासादनम्।
29. पुष्पिण्याः परिसर्जनमेतत्।
30. श्री इति पुष्पिण्यादिवत्।
31. शारिकाशुकयोः।
32. एतासामावरणं सगणनम्।
33. जगद्रंजन्यादिसर्वासामेवम्।
34. कगतजकोणहपत्रधरणिनागाः।
35. तस्यावरणं सगणनम्।
36. समयविद्यायाः सदनं शुद्धविद्यावत्।
37. डततकोणाथ नागनागदलस्यारधरणी सौभाग्यायाः सन्निहितासदनम्।
38. अथ तस्याः पंचावरणम्।
39. कहपत्रहकोणस्वरपत्रा धरणी वार्तालिसदनम्।
40. कगजकोणजपत्रस्वरधरणी बटुकस्य।

Created by demo-version of Universal Document Converter. Full version doesn't add this stamp.
WWW.PRINT-DRIVER.COM

41. एवमतस्स्वरदला धहपत्रधरणी तिरोधानस्य।
42. तथैतत्समयायाः।
43. गगनप्रभाषड्वसुकोणपत्रस्य धरणी भुवनेशीसदनम्।
44. यषहकोणस्वरदलहपत्रस्य धरणी सदनमन्नपूर्णायाः।
45. गगनगुणा धर्मा बिम्बविशिष्टकला भुवनेशी गुहवत्समयायाः।
46. गगनवसुकोणद्वयपत्रस्वरधरणी तुर्यासदनम्।
47. खजकोणद्वयपत्रस्वरवसुपत्रयगधरणी महार्द्धायाः।
48. द्वादशार्द्धासदनवत्स्वनायक्याः।
49. कलासदनवन्मिश्रविद्यायाः।
50. वाग्वादिन्याः कुमारिवत्।
51. गगनप्रभा पंचकोणाऽथ वसुकलापत्रभूरेखाः परागारम्।
52. तथैव प्रासादविशिष्टयोरुभयोः।
53. तुर्यासदनवच्छाम्भव्याः।
54. परासदनवत्समयायाः।
55. व्योमदहकर्ममनुपत्रा दहकोणा हरिमुखसदनम्।
56. व्योमजलजपत्रत्रिवृता धरणी श्रीगुरोः सदनम्।
57. अकथादित्रिरेखशद्वितत्रिकोणमेव वा श्रीगुरोः सदनम्।
58. अनुत्तरविद्यानां सर्वासां शुद्धविद्यावत्।
59. वार्ताल्याः पंचावरणम्।
60. बटुकस्य षट्।
61. तद्वत्तिरोधानस्य।
62. भुवनेशी सप्त।
63. षट्सन्निहितायाः।
64. कामेश्याः कलायास्त्रिः।
65. तुरीयायाः पंच।
66. षण्महार्द्धायाः।
67. परा प्रासादस्य च परावत्।
68. शाम्भव्याः पंच।
69. मृगेश्यास्यस्या षट्।
70. चतुर्भिरावरणैर्विशिष्टं बोधकस्य सदनम्।
71. अथ विद्या एकविंशद्वर्णविशिष्टा।
72. पंचदशवर्णविशिष्टा सौभाग्या।
73. तथैव पश्चिमा विद्या।
74. शतवर्णयुता श्यामा।
75. द्वाविंशदक्षरविशिष्टा पुष्पिणी।
76. द्विचत्वारिंशद्वर्णविशिष्टा शुकविद्या।
77. अष्टाविंशदक्षरविशिष्टा शारीरिकाविद्या।
78. पंचत्रिंशदक्षरविशिष्टा हसन्ती देवता।
79. अक्षरत्रयविशिष्टा शुद्धविद्या।
80. कुमारी वर्णत्रयविशिष्टा।
81. दशवर्णयुता द्वादशार्द्धा।
82. षट्त्रिंशद्वर्णसमुचिता सौभग्यसन्निहिता।
83. अष्टाविंशद्वर्णसमुच्चयो महाहेरम्बस्य मनुः।
84. चतुर्विंशद्वर्णसमुच्चयो बटुकस्य मनुः।

Created by demo-version of Universal Document Converter. Full version doesn't add this stamp.
WWW.PRINT-DRIVER.COM

85. अष्टोत्तरनवत्यक्षरसमुचिता कोलवदना।
86. षट्पंचाशदक्षरैर्विशिष्टा यवनिका।
87. एकवर्णविशिष्टा भुवनेशी।
88. अथवा सप्तविंशद्वर्णविशिष्टा।
89. ककारादिपंचदशाक्षरसमुचिता कादिपंचदशी।
90. खण्डद्वययुताचतुर्थस्वरविशिष्टा कामकला।
91. एकाक्षरविशिष्टा मुख्या।
92. त्रयोदशविशिष्टा तुर्या।
93. नवशतवर्णविशिष्टा महार्द्धा।
94. द्वादशाक्षरविशिष्टाऽश्वारूढा।
95. एकाक्षरविशिष्टा मिश्रविद्या।
96. त्रयोदशवर्णविशिष्टा वाग्वादिनी।
97. एकवर्णविशिष्टा परा।
98. पराप्रसादरूपिणी वर्णद्वययुता।
99. वर्णैकविशिष्टा तथैव प्रासादपरा।
100. अथ ह्रस्वदीर्घषट्समुच्चयदशैकवर्णविशिष्टः पराशम्भुः।
101. अथ ह्रस्वाक्षरदीर्घपंचसमुचिता तथैव संख्या पराशाम्भवी।
102. अनुत्तरसंकेतप्रधानविद्या सप्तदशवर्णविशिष्टा।
103. अथैतासां परिवाराणामनुपरिवारा असंख्याकाः।

।। इत्येतानि सूत्राण्यस्माभिर्गौडपादैरुक्तानि।।

।। इति श्रीविद्यारत्नसूत्राणि।।

Created by demo-version of Universal Document Converter. Full version doesn't add this stamp.
WWW.PRINT-DRIVER.COM